आकाश गंगा परियोजना

वर्ष 2003 में एस आई और बिट्स, पिलानी के मेल से आकाश गंगा परियोजना की स्थापना हुई। इस परियोजना में अब तक कुल 170 टैंकों की स्थापना हो चुकी है तथा 6 गांवों में यह परियोजना सफलतापूर्वक चल रही है। आकाश गंगा एक वर्षा जल संचयन परियोजना है। इस में वर्षा जल संचयन के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। जो की एक अनूठी योजना है।

Contact us: -

Dr. Rajiv Gupta

9414082464

rgbits@gmail.com

Malaram

9784860188

जल और संस्कृति का अद्भुत संगम

जलवा पूजन

आकाश गंगा परियोजना

जल ही जीवन है

“रहिमन पानी रखिये ,बिन पानी सब सून! पानी गए न उबरे ,मोती, मानष, चून!”

कहते हैं " जल ही जीवन है " और " बिन पानी सब सून " यानी जल के बिना हम जीवन की कल्पना ही नही कर सकते। प्रकृति के ख़ज़ाने से हम जितना पानी लेते हैं हमारी ज़िम्मेदारी है कि उसका सदुपयोग करें।

जलवा पूजन

बच्चा पैदा होने के महीने सवा महीने बाद माँ जलवा पूजन करती है। जब तक जलवा पूजन नहीं होता है, तब तक स्त्री न तो पीने के पानी के मटके के पास जाती है और न रसोई में प्रवेश करती है। जलवा पूजन करने के लिए स्त्री नये कपड़े पहिन कर कलश और चरवी सिर पर रखकर चरवी में नीम का झंवरा डालकर अन्य औरतों के साथ तालाब पर जाती है। वहाँ जल की पूजा करती है ।स्त्री अपना कलश और चरवी पानी में भरकर घर लाती है। जलवा पूजन के बाद ही स्त्री पानी और रसोई संबंधी कार्य करती है।

महत्वपूर्ण निर्देश

- कृपया गृह टंकी के पास जानवरों को न बाँधे।
- टंकी को खुला न छोड़sa।
- गृह टंकी के पास वस्त्र नहीं धोने चाहिए।
- बारिश आने से पहले छत साफ जरूर करनी चाहिए।
- फ़िल्टर को खोलकर समय - समय पर कचरा साफ करते रहना चाहिए।
- पानी निकालने के लिए हाथ – पम्प का उपयोग अवश्य करें।
- साल में 3 बार पानी का जाँच अवश्य करवानी चाहिए।

“जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। वह हृदय नहीं पत्थर है। जिसे जल से प्यार नहीं।।”